आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :333 पृष्ठ -4 दिनांक 06 दिसम्बर 2024 दिन शुक्रवार

हेमा मालिनी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर गिरफ्तारी की निंदा की

बीजेपी सांसद ने कहा, मैं स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयायी हूं.

उत्तर प्रदेश की मथुरा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंदू संत चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी की बुधवार को संसद में निंदा की. लोकसभा में शून्य काल के दौरान हेमा मालिनी ने कहा, ष्मैं स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयायी हूं. मैं कृष्ण की पावन नगरी मथुरा की प्रतिनिधि हूं. हम धर्म पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे. यह विदेश नीति का विषय नहीं है,बल्कि हमारी भावना का विषय है. बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए.मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में चिन्मय कृष्णदास को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जो बिल्कुल गलत है. वह हिंदुओं के खिलाफ हुए अत्याचार के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे. वहां स्थिति खराब है. मैंने सरकार से अनुरोध किया है कि वह कार्रवाई करे और हमारे इस्कॉन भक्तों, हिंदू भाइयों को सुरक्षा दे. हम चुप नहीं रह सकते. यह कूटनीति का मुद्दा नहीं है, बल्कि हमारी भावनाओं और श्री कृष्ण के प्रति भक्ति से जुड़ा है.ष्बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बंद हो अत्याचार असम के दारांग–उदलगुड़ी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सदस्य दिलीप सैकिया ने कहा, हम चाहते है कि संसद एक प्रस्ताव पारित करे, जिससे बांग्लादेश सरकार को संदेश दिया जा सके कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार पूरी तरह

से बंद हो. साल 1971 में बांग्लादेश के गठन के बाद से लाखों बांग्लादेशी मुसलमान असम में घुसपैठ कर चुके हैं और राजनीतिक और चुनावी प्रणाली में निर्णायक कारक बन गए हैं.उज्जैन से भाजपा सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि बांग्लादेश में चिन्मय कृष्णदास के लिए कोई वकील उपलब्ध नहीं है, जो उनका प्रतिनिधित्व कर सके. वह जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं. इस मामले में भारत सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए.

6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर होगी सरकारी छुट्टी

उत्तर प्रदेश सरकार ने 6 दिसंबर को सरकारी छुट्टी का ऐलान किया है. इस दिन संविधान समिति के अध्यक्ष और देश के पहले काननू मंत्री डॉ. भीम राव अंबेडकर कीपुण्यतिथि है.अखिलेश यादव सरकार की ओर से मंगलवार को अंबेडकर जयंती के मौके पर इसकी घोषणा की गई. गौरतलब है कि साल 1992 में इसी दिन यानी 6 दिसंबर को को कार सेवकों ने बाबरी का विवादित ढांचा ढहाया था. बीएसपी के अंबेडकर डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की विरासत पर अब तक सबसे बड़ी दावेदार बहुजन समाज पार्टी रही है. बीते कई बरसों में 14 अप्रैल का दिन बीएसपी के लिए बेहद खास होता था. आंबेडकर जयंती को बीएसपी के कार्यकर्ता धूमधाम से तो मनाते ही थे, मायावती के शासनकाल में तो सरकारी कार्यक्रम भी बड़े स्तर पर आयोजित किए जाते थे. इसे सेलीब्रेशन का शोर कहें या कुछ और, लेकिन इस

बार बीएसपी भीड़ में कहीं गुम नजर आ रही है नेता क्यों जप रहे हैं अंबेडकर का नाम?मंगलवारको अंबेडकर जयंती पर दलित उत्साहित हो या ना हो, तमाम राजनीति दलों पर इसकी खुमारी साफ नजर आ रही है.कोई अपने कैंपेन की शरुआत इस दिन से कर रहा है, तो अंबेडकर के बहाने छुट्टी देकर वोटरों को लुभाने की कोशिश में है. सवाल ये कि आखिर अंबेडकर सभी पार्टियों के लिए अहम क्यों हो गए हैं? दरअसल, आने वाले दिनों में उन राज्यों में चुनाव हैं जहां दलितों की अच्छी खासी तादाद है. इस साल के अंत में बिहार में चुनाव होने हैं. यहां 15 फीसदी दलित आबादी है. साल 2016 में पश्चिम बंगाल में चुनाव होंगे जहां 23.5 प्रतिशत दलित आबादी है. साल 2017 में पंजाब में भी चुनाव होने हैं जहां सबसे 31. 9 फीसदी दलित आबादी का बसेरा है. ऐसे में तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति पहले ही तैयार कर ली है. इसी साल यूपी में भी विधानसभा चुनाव होंगे.

सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभल हिंसा पर बड़ा बयान दिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश स्थित संभल में हुई हिंसा पर प्रतिक्रिया दी है. सीएम ने कहा कि 500 साल पहले जो बाबर ने किया था, वही आज बांग्लादेश और संभल में हो रहा है. घटनाओं की प्रकृति और डीएनए एक ही है. उन्होंने कहा कि संभल और बांग्लाद.श की घटनाएं एक जैसी हैं और दोनों घटनाओं में शामिल लोगों का डीएनए एक ही है.सीएम ने यह बयान अयोध्या में एक कार्यक्रम के दौरान दिया. राम कथा पार्क में रामायण मेले के उद्घाटन के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, श्याद कीजिए 500 साल पहले अयोध्या कुंभ में बाबर के आदमी ने क्या किया था. संभल में भी यही हुआ था, बा.ग्लादेश में भी यही हो रहा है. तीनों का स्वभाव और डीएनए एक ही है. अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है, तो वही तत्व यहां भी आपको सौंपने के लिए ताक में बैठे हैं. उन्होंने सामाजिक एकता को तोड़ने का पूरा इंतजाम कर रखा है. ये बातें करने वाले कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी विदेशों में संपत्ति है. अगर यहां कोई संकट आया, तो वे भाग जाएंगे और दूसरों को मरने के लिए यहीं छोड़ देंगे.

मदरसा अधिनियम में संशोधन करेगी योगी सरकार, ये डिग्रियां नहीं दे पाएंगे मदरसे

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने मदरसा अधिनियम 2004 में संशोधन करने का फैसला किया है. इसके तहत मदरसों में 12वीं के बाद मिलने वाली फाजिल (स्नातक) कामिल (पोस्ट ग्रेजुएट) की डिग्रियों को अधिनियम के दायरे से बाहर किया जाएगा. जो मदरसे बारहवीं क्लास से आगे कामिल और फाजिल का प्रमाणपत्र देने देंगे उन्हें मान्यता नही दी जाएगी. शासन की ओर से इसे लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. दरअसल हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पलटते हुए मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था. हाईकोर्ट ने इस अधिनियम को असंवैधानिक करार दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पलटते हुए कहा कि मदरसा अधिनियम के सभी प्रावधान संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करते हैं. हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में ये भी स्पष्ट किया कि मदरसों में मदरसा अधिनियम और नियमावली सिर्फ बारहवीं क्लास तक ही सीमित रहेगी. इसके आगे कामिल और फाजिल का प्रमाणपत्र देने वाले मदरसों को मान्यता नहीं दी जाएगी क्योंकि उच्च शिक्षा यूजीसी अधिनियम के तहत संचालित होती है. योगी सरकार तैयार कर रही है प्रस्ताव कोर्ट के आदेश से साफ है कि मदरसों से फाजिल और कामिल की डिग्रियां नहीं दी जा सकती, इन डिग्रियों की मान्यता अब केवल यूनिवर्सिटी द्वारा ही दी जा सकती है. जिसके बाद अब यूपी सरकार की ओर से भी इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं. शासन की ओर से प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसके बाद जल्द ही मदरसा अधिनियम में संशोधन किया जा सकता है. बता दें कि यूपी मदरसा अधिनियम 2004 के मुताबिक मदरसा बोर्ड मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं संचालित करता है. इसी के आधार पर यूपी में अशासकीय अरबी, फारसी मदरसों के लिए मान्यता और प्रशासन से सेवा संबंधी नियमावली 2016 में भी तैयार की गई थी. मदरसा अधिनियम में संशोधन के बाद अब मदरसों में 12वीं तक ही शिक्षा देने की अनुमति होगी और उच्च शिक्षा की डिग्री सिर्फ यूनिवर्सिटी से ही मिल सकेगी.

यूपी में ठंडी हवाओं से बदलेगा मौसम का मिजाज, 2–3 डिग्री तक गिर सकता है पारा

दिसंबर महीने का पहला हफ्ता खत्म होने जा रहा है लेकिन सर्दी का असर दूर–दूर तक नहीं दिख रहा है. यूपी में मौसम लगातार शुष्क बना हुआ है. सुबह और शाम हल्के से मध्यम कोहरा छा रहा है लेकिन दिन के समय ठीक–ठाक धूप निकल रही है और मौसम साफ बना हुआ है. मौसम विभाग के मुताबिक दिन के समय सामान्य से अधिक तापमान देखने को मिल रहा है. आने वाले पांच दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार 5 दिसंबर को सुबह के समय कहीं–कहीं हल्की धुंध छाने की संभावना बना हुई हैं. प्रदेश में तेज हवाएं 20–30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है. जिससे सर्दी का एहसास रहेगा. हालांकि कोई खास चेतावनी जारी नहीं की गई है. 6–7 दिसंबर को भी मौसम के शुष्क रहने का ही अनुमान हैं. 8 दिसंबर और 9 दिसंबर को भी मौसम साफ रहेगा और दिन में धूप निकली रहेगी. ठंडी हवाओं से गिरेगा पारा अगले दो दिनों तक प्रदेश में फेंगल तूफान के असर के असर से ठंडी हवाओं चलेंगी, जिसकी वजह से सर्दी बढ़ सकती है. इस दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 2–3 डिग्री तक तापमान गिर सकता है. पिछले 24 घंटों में सबसे सर्द मौसम रामनगरी अयोध्या में रहा, यहां सबसे कम न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जबकि नोएडा और गाजियाबाद में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया. राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री, आगरा में 12.8, मेरठ में 13.0, गोरखपुर में 11.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया जो सामान्य से अधिक है. मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र के मुताबिक राज्य के सभी मंडलों में दिन के समय तापमान सामान्य से 3.1 से 5.0 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया. मंगलवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस वाराणसी में रिकॉर्ड किया गया.

6 दिसंबर को महाराष्ट्र में छुट्टी का ऐलान

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को डॉ. बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि के मौके पर 6 दिसंबर को 'स्थानीय अवक.श' घोषित किया. डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस भी कहा जाता है. उनका निधन 6 दिसंबर, 1956 को दिल्ली में हुआ था. भीमराव रामजी अंबेडकर, को बाबासाहेब अंबेडकर के नाम से भी जाना जाता है. वो एक समाज सुधारक और भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता थे. प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने दुनिया के सबसे लंबे लिखित संविधान को सावधानीपूर्वक तैयार करने के लिए संविधान सभा का नेतृत्व किया.गौरतलब है कि मुंबई में बुधवार को महाराष्ट्र भा.जपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया. जिससे उनके तीसरी बार राज्य का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया. सूत्रों के मुताबिक शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे.बुधवार को विधान भवन में हुई विधायक दल की बैठक में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय रूपाणी ने घोषणा की कि फडणवीस (54) को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है. बैठक में भाजपा की केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राज्य और केंद्र में 'डबल इंजन की सरकार' विकास को बढ़ावा देगी. फडणवीस ने उन पर भरोसा जताने के लिए भाजपा विधायकों को धन्यवाद दिया और कहा कि 20 नवंबर के विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की भारी जीत प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए मंत्र 'एक हैं तो सेफ हैं' के कारण हुई. विधान भवन में हुई बैठक में भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पाटिल ने विधायक दल के नेता के रूप में फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रखा. विधायक दल की बैठक से पहले यहां हुई भाजपा कोर कमेटी की बैठक में शीर्ष पद के लिए फडणवीस के नाम पर मुहर लगी.

क्रिसमस और नए साल पर सीएम योगी ने अफसरों को दिए सख्त निर्देश

साल के आखिरी महीने दिसंबर में कई महत्तपूर्ण दिवस है, जिनमें 6 दिसंबर को भारतरत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी का महापरिनिर्वाण दिवस है तो 25 दिसंबर को भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर श्सुशासन दिवसश्में अनेक आयोजन प्रस्तावित होने है. साथ ही इसी दिन क्रिसमस भी है. इसके बाद 1 जनवरी 2025 को लोग विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते है. जिसको लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी अधिकारी और अफसर को यह निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार का कही भी हुड़दंग न हो. कोई भी कानून–व्यवस्था के साथ खिलवाड़ न करे. सबकी आस्था, सबकी भावना का सम्मान होना चाहिए साथ ही, शांति और सौहार्द का माहौल भी बना रहे.सीएम ने कहा कि आगामी 6 दिसंबर को भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का महापरिनिर्वाण दिवस है. अनेक संगठनों द्वारा बाबा साहब के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए जुलूस, सभा आदि आयोजित की जाएगी. ऐसे में कुछ अराजक तत्व माहौल को खराब करने का प्रयास कर सकते हैं. तिथि की संवे.दनशीलता को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों में सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं. सेक्टर प्रणाली लागू करें और यह सु.निश्चित करें कि कहीं भी कोई अप्रिय घटना न हो.अतिक्रमण के मामले संवे.दनशील सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण के मामले संवेदनशील हैं, सड़क सभी के लिए है, आवागमन के लिए है, यह बिल्डिंग मटेरियल का सामान रखने, निजी वाहन पार्किंग बनाने, दुकान बनाने अथवा किसी के अनधिकृत कब्जे के लिए नहीं है. यह स्वीकार नहीं किया जा सकता.लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण के मामलों में संवाद और समन्वय की नीति अपनाई जाए. सभी जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकध्पुलिस अधीक्षक, ग्राम्य विकास विभाग, नगर विकास विभाग के साथ मिलकर स्थानीय निकायों के माध्यम से यह सुनिश्चित कराएं कि प्रदेश में कहीं भी आवागमन बाधित कर अनधिकृत कब्जा न हो

पाकिस्तानी समुद्री क्षेत्र में डूबा भारत का जहाज

पाकिस्तानी नौसेना ने 12 भारतीय क्रू सदस्यों की बचाई जान

भारत का एक जहाज पाकिस्तान के समुद्री क्षेत्र में डूब गया. जिसके बाद पाकिस्तान ने डूबे भारतीय जहाज के क्रू सदस्यों की जान बचाई है. पाकिस्तानी समुद्री सुरक्षा एजेंसी (च्डै।) ने बुधवार (4 दिसंबर) को समुद्री बचाव अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया. भारतीय मालवाहक जहाज डैट ।स् पिनानिपिर के डूबने के बाद बीच समुद्र में 12 भारतीय फंस गए थे.च्डै। ने बुधवार (4 दिसंबर) को एक बयान जारी कर कहा, "समुद्री बचाव समन्वय केंद्र MRCCको भारत के मुंबई MRCC का ईमेल मिला. जिसमें डूबे हुए जहाज से बचे लोगों का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए सहायता का अनुरोध किया गया था." जारी बयान के अनुसार, भारतीय कार्गो शिप पाकिस्तान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में डूबा था, जिसके 12 क्रू मेंबर्स बीच समुद्र में फंस गए थे.भारत के अनुरोध पर पाकिस्तान ने शुरू किया बचाव अभियानभारत के अनुरोध पर पाकिस्तान समुद्री एजेंसी ने कई अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर बचाव अभियान की शुरुआत की. PMS। ने एक जहाज को जीवित लोगों का पता लगाने की जिम्मेदारी सौंपी. वहीं, स्थानीय समुद्री क्षेत्र में अन्य वाणिज्यिक जहाजों को भी अलर्ट कर दिया गया. साथ ही उनसे बचाव में मदद करने का भी अनुरोध किया गया.समुद्र में फंसे सभी 12 लोगों को बचाया गया PMS। ने जारी

बयान में आगे कहा, 'त्वरित प्रतिक्रिया और प्रभावी समन्वय के नतीजतन भारतीय कार्गो शिप के सभी 12 लोगों को बचा लिया गया. जो अंतरराष्ट्रीय SAR दायित्वों को बनाए रखने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए च्डै। की प्रतिबद्धता को दिखाता है. यह ऑपरेशन राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना समुद्र में इमरजेंसी स्थिति का जवाब देने में PM। की तत्परता और पेशेवर विशेषज्ञता दिखाता है.'

पालतू बिल्ली को मारकर कच्चा खा गई महिला

संयुक्त राज्य अमेरिका का एक राज्य ओहियो, मदर ऑफ प्रेसिडेंट्स के नाम से जाना जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका के अब तक 7 राष्ट्रपति ओहियो के रहने वाले थे. लेकिन अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ओहियो कुछ खास पसंद नहीं है. चुनावी अभियानों के दौरान अपनी रैलियों ने डा. नाल्ड ट्रंप लगातार ये आरोप लगाते रहे थे कि हैतीशरणार्थी ओहियो में बिल्लियों को मारकर खा रहे हैं. बता दें कि ट्रंप ने ये आरोप बेवजह नहीं लगाए थे. दरअसल, ओहियो में अगस्त महीने में ऐसा ही एक मामला सामने आया था जिसमें एक महिला पालतू बिल्ली को मारकर कच्चा खा गई थी. जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था और अदालत ने उसे सजा सुनाई.क्या था पूरा मामला16 अगस्त को ओहियो के स्प्रिंग. फील्ड से लगभग 270 किलोमीटर दूर एक महिला ने सड़क के बीच में पालतू बिल्ली को अपने पैरों से दबाकर उसकी गर्दन मरोड़ दी. इससे बिल्ली के मर जाने के बाद उसने बिल्ली को कच्चा चबा लिया.जब स्थानीय लोगों ने ये क्रूरता देखी तो उनकी आत्मा कांप गई. ये क्रूरतापूर्ण घटना को देखकर लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के पैरों में खून और उसके मुंह पर बिल्ली के रोएं देखे. जिसके बाद तुरंत उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और अब जाकर उस महिला को कोर्ट ने सजा सुनाई है. कोर्ट ने इस अपराध के लिए क्या दी सजा?पालतू बिल्ली को कच्चा खा जाने वाली इस 27 साल की इस महिला का नाम एलेक्सिसस फेरेल है. जिसे कोर्ट ने इस क्रूरतापूर्ण अपराध के लिए एक साल की सजा दी गई है. महिला को सजा सुनाते हुए जज ने कहा, 'ये बेहद गंभीर मामला है. कोई किसी जानवर के साथ ऐसा कैसे कर सकता है. मैं यह घटना जानकर ही हैरान हूं. आप समाज के लिए खतरा हैं.'अमेरिकी निवासी है आरा. `पी महिलाओहियो के सीनेटर और अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे जेडी वेंस ने महिला को पहले हैती शरणार्थी बताकर इस मामले को जोर–शोर से उठाया था. जिसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना को लेकर कमला हैरिस को घेरा था. इस घटना से जुड़े एक वीडियो को एलन मस्क ने भी शेयर किया था. हालांकि जांच के बाद महिला की पहचान अमेरिकी नागरिक के रूप में हुई.

महाराष्ट्र का देवा भाऊ, जो भाजपा में बन सकता है नया मोटा भाई!

महाराष्ट्र में आज देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. ऐसा माना जा रहा है कि फडणवीस योगी आदित्यनाथ के बाद भाजपा में दूसरे सबसे ताकतवर मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं. जब भी प्रधानमंत्री मोदी के बाद उनके उत्तराधिकारी की चर्चा होती है तो उसमें अमित शाह और योगी आदित्यनाथ का नाम लिया जाता है. अब इस फे. हरिस्त में देवेंद्र फडणवीस का भी नाम जुड़ गया है. महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव ने न सिर्फ फडणवीस को फिर मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया, बल्कि भाजपा की अगली पीढ़ी का सबसे स्थापित नेता भी बना दिया है.देवेंद्र फडणवीस देश के सबसे कम उम्र के पार्षद रहे. वे साल 1992 में महज 22 साल की उम्र में नागपुर के राम नगर वार्ड से पहला नगर निगम चुनाव जीते. इसके बाद मेयर, विधायक, प्रदेश अध्यक्ष और फिर मुख्यमंत्री बने. पहले फडणवीस अपनी तुनकमिजाजी के लिए भी जाने जाते थे. मीडिया के सामने कभी किसी नेता पर भड़क जाते थे, तो कभी किसी अधिकारी पर. रैलियों में नेताओं पर ऐसे जुबानी हमले करते, जो आमतौर पर सियासत में नहीं होते. एक बार उन्होंने राज ठाकरे को श्गली छाप गुंडाश तक कह दिया था . ऐसे वाकयों ने फडणवीस को महाराष्ट्र में भाजपा का फायरब्रांड नेता बनाया.फायरब्रांड नेता से परिपक्व नेता की छवि बनाने में फडणवीस को वक्त लगा. पिछले 32 साल में नागपुर के श्देवाश ने महाराष्ट्र के श्देवा भाऊश तक का सफर तय किया. इस बार के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद श्देवा भाऊश के तौर पर उनकी छवि और पुख्ता हो गई. नतीजों के बाद नागपुर में देवेंद्र फडणवीस के नाम के पोस्टर और होर्डिंग लगे. इनमें फडणवीस को श्देवा भाऊश लिखते हुए श्आधुनिक अभिमन्युश बताया. महाराष्ट्र चुनाव से पहले देवेंद्र फडणवीस पर श्देवा भाऊश नाम से एक गाना भी बना, जिसमें उन्हें आधुनिक महाराष्ट्र का निर्माता बताया गया.क्या बनेंगे भाजपा में नए श्मोटा भाइ?देवेंद्र फडणवीस की प्रोफाइल की सबसे मजबूत बात ये है कि वह जितन के करीबी हैं, उतने ही भाजपा आलाकमान के भी. यही कारण है कि महाराष्ट्र में चुनाव जीतने से पहले तक फडणवीस भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में थे. ये तो समीकरण कुछ ऐसे हुए कि महायुति महाराष्ट्र में चुनाव जीत गया, भाजपा सबसे बड़ा दल बनकर उभरी और फडणवीस के हाथ मुख्यमंत्री की कुर्सी लगी. वरना वे उस कुर्सी पर बैठ सकते थे, जहां कभी अमित शाह बैठा करते थे. फडणवीस को भले राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी ना मिले, लेकिन वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनकर अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने में सफल साबित हो सकते हैं. फडणवीस अब भा. जपा के मुखिया बनते तो भी फैसले मोदी–शाह की जोड़ी ही लेती. लिहाजा, वे भविष्य में भाजपा की राष्ट्रीय स्तर पर कमान संभालते हैं तो ये उनके लिए ज्यादा मुफीद होगा. फडणवीस भाजपा के नए चाणक्य के तौर पर भी देखे जा रहे हैं, ये तमगा अब तक श्मोटा भाईश यानी अमित शाह के पास था. अब पार्टी को फडणवीस के रूप में नया श्मोटा भाईश मिल सकता है.आपदा को अवसर में बदलने वाला नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक कथन आपदा को अवसर बना दोश खूब वायरल होता है. देवेंद्र फडणवीस ऐसा करने में माहिर हैं. देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में सबसे अधिक रैलियां की. भाजपा जानती थी कि महाराष्ट्र में ओबीसी नेता को आगे करने पर मराठा नाराज होंगे और मराठा नेता को आगे करने पर ओबीसी नाखुश होगी. फडणवीस ब्राह्मण जाति से आते हैं, उनके आगे आने से न मराठा नाराज होंगे और न ही ओबीसी. हालांकि, ब्राह्मण होना उनके लिए सियासी तौर पर ड्राबैक बताया जा रहा था. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो विनोद तावड़े ने अमित शाह से मीटिंग में यह तक कहा था कि फडणवीस ब्राह्मण हैं, उन्हें ब्ड बनाने से मराठा वोटर नाराज होंगे. लेकिन अंततः फडणवीस को सबसे अधिक फायदा इसी बात से हुआ कि वे ऐसी बिरादरी से आते हैं, जिसके मजबूत होने से कोई खफा नहीं होगा. महाराष्ट्र में ब्राह्मण और अन्य समुदाय की आबादी 8 फीसदी है. जबकि मराठा 28 और ओबीसी 38 फीसदी हैं.

अजित पवार की बातों में छिपे हैं कई इशारे, यूं ही नहीं कहलाते सियासत के दादा

नई दिल्लीरू इशारों से मोहब्बत ही नहीं, बल्कि सियासत भी की जाती है... आज महाराष्ट्र में नई सरकार के मुखिया का शपथ ग्रहण समारोह है. उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री भी शपथ ले सकते हैं. इसमें एक नाम तो अजित पवार का तय है, ये हम नहीं खुद अजित पवार कह चुके हैं. बुधवार को हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में छब्ब नेता अजित पवार ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि इनका (शिंदे) तो शाम तक समझ आएगा, लेकिन मैं तो शपथ लेने वाला हूं. इस वाकये के जरिये अजित पवार ने कई सियासी संदेश दे दिए. यही कारण है कि अजित को सियासत का श्दादाश भी कहा जाने लगा है.अजित पवार की क्लियरिटी, भाजपा के साथ रहेंगे जानकार सूत्रों की मानें तो भाजपा में देवेंद्र फडणवीस का पलड़ा इसलिए भी भारी था, क्योंकि अजित पवार उनके समर्थन में थे. अजित पवार पहले दिन से ही भाजपा के साथ खड़े हैं. एक भी भी पवार की नाराजगी की खबर सामने नहीं आई. 41 सीटें लाकर अजित पवार ने खुद को प्रूव किया और मजबूती से महायुति गठबंधन में डटे हुए हैं. अजित हवा के साथ चलने वाले नेताओं में हैं, उनकी बातों से स्पष्ट है कि वे लंबे समय तक भाजपा का साथ निभाएंगे.शिंदे रहें न रहें, हम डेट रहेंगे अजित पवार के बयान से ये भी साफ है कि वे अपनी सियासत एकनाथ शिंदे से अलग देख रहे हैं. वे शिंदे के साथ नहीं, बल्कि भा. जपा के साथ हैं. उन्हें इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि शिंदे भाजपा के साथ रहें या न रहें, न ही अजित शिंदे के पलटने पर खुद पलटेंगे. वे राजनीति के चतुर सुजान हैं. वे जानते हैं कि शिंदे ने भा. जपा का साथ छोड़ा तो उनकी अहमियत महायुति गठबंधन में बढ़ेगी. नंबर 2 बनने की ताक में अजित महायुति गठबंधन की पिछली सरकार में तीनों दिग्गज पार्टियों को बराबर मंत्रालय मिले थे. लेकिन इस बार मेरिट के हिसाब से मंत्रालय दिए जाएंगे. जिसकी जितनी सीटें, उसके उतने अधिक मंत्रालय. ऐसे में भाजपा का नंबर एक, शिवसेना का नंबर 2 और छब्ब का नंबर 3 पार्टी बनना तय है. हालांकि, अजित पवार की पार्टी खुद के लिए नंबर दो की पोजीशन मांग रही है, क्योंकि उनका स्ट्राइक रेट अच्छा रहा. अजित खेमा वित्त मंत्रालय भी चाहता है. अजित पवार का ये कहना– मेरा तो शपथ लेना तय है... बताता है कि वे भाजपा के शिवसेना से अधिक भरोसेमंद साथी हैं. इससे वे भाजपा को भी संदेश दे गए कि शिंदे से ज्यादा मजबूती से महायुति में NCP है.

बिहार के लोगों को सताएगी कंपकंपाने वाली ठंड, बारिश को लेकर भी IMD ने जारी किया अलर्ट

बिहार न्यूज दिसंबर महीने की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन अभी भी बिहार में ठंड की स्थिति समान्य से कम देखी जा रही है, जबकि मौसम विभाग ने दावा किया था कि इस बार अधिक ठंड होगी. हालांकि अभी शुरुआत में ऐसा कुछ दिख नहीं रहा है. ताजा अनुमान के अनुसार, एक से दो दिनों में ठंड में काफी बढ़ोतरी होगी और आगामी तीन दिनों के बाद कंपकपी वाली ठंड भी होने का की संभावना है.आज गुरुवार को सुबह से पछुआ हवा के प्रवाह में बढ़ोतरी हुई है, जिसके कारण अधिक ठंड का असर धीरे–धीरे दिखने लगा है. आगामी 8 और 9 दिसंबर को राजधानी पटना समेत राज्य के दक्षिणी भागों के जिलों में वर्षा की संभावना बन रही है, जिसके कारण ठंड में और ज्यादा इजाफा होगा. 8 दि. संबर को 14 जिलों में बारिश का अलर्ट मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ 7 दिसंबर को पश्चिम हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करेगा और 8 दिसंबर को उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा. इसके प्रभाव से आज गुरुवार से लेकर आगामी 7 दिसंबर शनिवार तक पछुआ हवा के प्रवाह के साथ दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी तो वहीं 8 दिसंबर से दक्षिण बिहार के 14 जिले पटना, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय, लखीसराय, गया, जहानाबाद, बक्सर, अरबल भोजपुर, औरंगाबाद, भभुआ और रोहतास में हल्की बूंदाबांदी या बारिश के साथ बादल छाए रहने और कहीं–कहीं गर्जन की चेतावनी भी है. इसके साथ ही दिन के तापमान में 4 से 5 डिग्री गिरावट भी आएगी.9 दिसंबर को दक्षिण बिहार में बारिश देगी दस्तक इसके अलावा 9 दिसंबर को भी दक्षिण बिहार के सभी 19 जिले जिनमें भागलपुर, जमुई, मुंगेर, खगड़िया और बांका में भी बूंदाबांदी बारिश के साथ तापमान में गिरावट रहेगी. उत्तर बिहार में कोई चेता. वनी नहीं दी गई है, जबकि बुधवार को बीते एक सप्ताह के तापमान की तरह समान्य तापमान दर्ज किया गया. सबसे कम न्यूनतम तापमान डेहरी में 10 डिग्री सेल्सियस रहा. राज्य का औसत अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस और औसत न्यूनतम तापमान 13.02 डिग्री सेल्सियस रहा. कुछ प्रमुख शहरों के न्यूनतम तापमान की अगर बात करें तो पटना में 15.6, गया में 13.5, भागल. पुर में 13.7, पूर्णिया में 14.1, मुजफ्फरपुर में 15.6, दरभंगा में 13 डिग्री, मोतिहारी में 12 डिग्री सेल्सियस रहा.

महाकुंभ में होमगार्ड विभाग के 14 हजार जवान होंगे तैनात, 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

प्रयागराज में इस बार कुंभ की भव्यता और दिव्यता पहले से काफी अच्छी हो रही है. उत्तर प्रदेश में यह महाकुंभ हो रहा है, इसलिए हम लोग की जिम्मेदारी बनती है कि कि उसकी भव्यता और दिव्यता अच्छे से हो और सभी उसका दर्शन करने आए. क्योंकि शास्त्रों में प्रमाण है की कुंभ में देवताओं का वास होता है. सभी ऋषि मुनि हमारे बहुत ऐसे जो देखने को नहीं मिलते हैं. वह महाकुंभ में देखने को मिलते हैं, उनका आशीर्वाद जनता लेती है तो इसलिए हम लोग का दायित्व बनता है कि उसकी भव्यता और दिव्यता बनी रहे. इसके साथ ही देश और विदेश के लोग यहां उसको देखने आएंगे . लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए महाकुंभ में होमगार्ड विभाग ने 14,100 जवान लगाए है.अलग–अलग राज्य में लोगों को आमंत्रित करने के लिए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तेलंगाना जा रहे हैं. वहीं बृजेश पाठक महाराष्ट्र जा रहे हैं तो नितिन अग्रवाल और सुरेश खन्ना दिल्ली जा रहे हैं. साथ ही धर्मवीर प्रजापति चंडीगढ़ और पंजाब जा रहे हैं. ऐसे ही अन्य मंत्रियों की जिम्मेदारी भी अलग–अलग राज्यों में लगाई गई है. अलग–अलग प्रदेशों में जाने का कार्यक्रम 15 दिसंबर के पहले खत्म हो जाएगा. 15 दिसंबर के पहले सभी राज्यों में लोगों को आमंत्रित कर दिया जाएगा. विदेश में भी जाने का कार्यक्रम होना है, पर अभी थोड़े समय बाद उसकी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी. जिले के सभी सिविल डिफेंस के लोग इसमें काम करेंगे. वहीं होमगार्ड के 14100 लोगों की ड्यूटी लगाई गई है, इन सभी को 3 जोन में बांटा गया है. ट्रैफिक मैनेजमेंट के खास प्लान महाकुंभ में इस बार करीब 45 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने की उम्मीद जताई जा रही है. इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए, इसके लिए बाकायदा वैज्ञानिक ढंग से ट्रैफिक मैनेजमेंट का अध्ययन किया जा रहा है. महाकुंभ की तैयारी को लेकर तीर्थराज प्रयाग के ब्यूटीफिकेशन का काम भी तेज रफ्तार से चल रहा है.यहां सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विविधता दिखाने के लिए पूरा इंतजाम किया जा रहा है. चौराहों पर जो भी डिजाइन तैयार किया जा रहे हैं, उनमें हॉर्टिकल्चर एनवायरमेंट के मद्देनजर ग्रीन बेल्ट भी तैयार किए जा रहे हैं.

2025 में अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर की 33 फैक्टरियों में शुरू होगा काम

अलीगढ़ को कई सौगातें मिलने जा रही हैं। सबसे बड़ा काम डिफेंस कॉरिडोर में शुरू होगा। यहां की सभी 33 फैक्टरियों में शस्त्र और और उनके पुर्जे बनने शुरू हो जाएंगे। वहीं आरएमपीएसयू के नए भवन में क्लासें लगनी शुरू हो जाएंगी। इसका नया भवन बनकर तैयार हो चुका है। वहीं कई शहरों के लिए उड़ानें भी शुरू हो जाएंगी। धनीपुर एयरपोर्ट का विस्तार भी हो जाएगा।नए साल में विश्वविद्यालय भवन में पाठ्यक्रमों की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। साथ ही अन्य पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे।– **प्रो चंद्रशेखर, कुलपति,** आरएमपीएसयू नए साल में रसलगंज में सुंदरीकरण का काम पूर्ण हो जाएगा। इसके साथ ही मल्टीलेवल पार्किंग का काम पूरा हो जाएगा। –विनोद कुमार, नगर आयुक्त, अलीगढ़अलीगढ़ में बनने वाले शस्त्र छुड़ाएंगे दुश्मनों के छक्के नए साल में अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर में ड्रोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और छोटे अस्त्र–शस्त्रों का निर्माण शुरू हो जाएगा। यहां करीब 90 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर 39 कंपनियां 3300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने जा रही हैं, जिससे करीब नौ हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्रदेश सरकार इस डिफेंस कॉरिडोर नोड को विकसित करने के लिए 122 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगी। स्टेडियम के हॉस्टल में ठहरेंगे खिलाड़ी

महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम में नए साल में हॉस्टल बनकर तैयार हो जाएगा। प्रदेश स्तरीय प्रतियो. गिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को दूसरी जगह नहीं रुकना पड़ेगा। अब वह हॉस्टल में ठहरेंगे। स्टेडियम में 579.63 लाख रुपये की लागत से तीन मंजिला छात्रावास बन रहा है। छात्रावास 60 बेड का होगा। छात्रावास के भूतल में वाहन पार्किंग, वार्डन का आवास होगा। पहली मंजिल पर आठ कमरे और भोजनालय होगा। दूसरी मंजिल पर 12 कमरे और मनोरंजन हॉल होगा। एक कमरे में तीन–तीन खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था होगी।

अलीगढ़–पलवल हाईवे पर राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय बनकर तैयार हो गया है। नए साल में विवि परिसर में पढ़ाई शुरू हो जाएगी। करीब 92 एकड़ भूमि पर बने विश्वविद्यालय में क्लास लगेंगी। फिलहाल विवि परिसर पाठ्यक्रमों की पढ़ाई जामिया उर्दू में चल रही है।नए साल में धनीपुर एयरपोर्ट का विस्तारीकरण का कार्य पूरा हो जाएगा। इसके बाद यहां लखनऊ, अयोध्या,

आजमगढ़, मुरादाबाद के अलावा दिल्ली आदि शहरों के लिए उड़ानें शुरू हो सकेंगी। अभी तक यहां से लखनऊ व अयोध्या के लिए 19 सीटर विमान सप्ताह में पांच दिन उड़ान भर रहे हैं। विस्तारीकरण के बाद यहां से दूसरी नई उड़ानें भी शुरू हो सकेंगी।रोडवेज की मिलेंगी नई बसें, ई– बसों का होगा संचालन रोडवेज को नए साल में 30 से अधिक नई बसें मिलने जा रही हैं। जिसके बाद इन बसों को नए रूटों पर चलाया जाएगा । जिससे यात्रियों को सुगम आवागमन में सुविधा मिल सकेगी। इसके अलावा शहर में संचालित होने वाली ई– बसों का संचालन जिले की सभी पांचों तहसील मुख्यालय तक हो सकेगा। इससे ग्रामीणों को काफी लाभ मिल सकेगा। सुधरेगी यातायात व्यवस्थाशहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम व यातायात पुलिस हरसंभव प्रयास कर रही है। इसके तहत शहर के प्रमुख चौराहों के अलावा तिराहा व अन्य प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक सिंग्नल को व्यवस्थित करने का कार्य किया जा रहा है। इन स्थानों को हा. ईटेक कैमरों से लैस किया जाएगा । जिससे शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार आ सकेगा। पुलिस विभाग को नए साल में नए वाहनों के अलावा आधुनिक यंत्र व भवन मिलेंगे। छेरत में नई पुलिस लाइन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। नए थाने के रूप में गोरई, नगला पटवारी की शुरूआत होगी। यूपी 112 व थानों को नई गाडियां मिलेंगी। जिससे पुलिसिंग बेहतर हो सकेंगी।रेल यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या चार, पांच, छह व सात पर लिफ्ट लगाने का काम लगभग पूरा हो गया है। उम्मीद है कि नए साल में रेल मुसाफिरों को इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा । इसके अलावा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या सात के पास रेल कोच रेस्टोरेंट खुल जाने से यात्रियों को खान–पान की समस्या से परेशान नहीं होना पड़ेगा । नए भवन का हस्तांतरण होने से यात्रियों को सुविधा मिल सकेगी।एक जैसी दिखेंगी दुकानें स्मार्ट सिटी योजना के तहत अग्रसेन चौक से रसलगंज, सरायहकीम से होकर बारहद्वारी मोहल्ले तक दुकानों के बाहर सौंदर्यीकरण और लाइटिंग दिसंबर माह में पूरा हो जाएगा। 25 करोड़ रुपये से इस रोड की दुकानों को संवारने का कार्य अंतिम दौर में है। नए साल में शहरवासियों को यह बेहतरीन तोहफा मिल जाएगा।ये भी निर्माण होंगे पूरे शहर के सबसे व्यस्ततम इलाके बारहद्वारी में 49 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीलेवल पार्किंग और कॉमर्शियल कांप्लेक्स का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जो नए साल में पूरा हो जाएगा। इसमें करीब 234 कार खड़ी करने के लिए तीन तल की पार्किंग और 104 दुकानें है। अधिकारियों की माने तो नए साल में यह तोहफा शहरवासियों को मिल जाएगा।शहर के नौरंगीलाल राजकीय इंटर कालेज में 50 करोड़ रुपये से स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें स्वीमिंग पुल, जिम और बैठने की पूरी व्यवस्था होगी। नए साल में यह भी शहरवासियों और खिलाड़ियों को मिल जाएगा।

फिर जहरीली हुई शहर की हवा, छह बिल्डर्स को थमाया नोटिस

अलीगढ़ नगर निगम की माने तो सामान्यता शहर में 200 एक्यूआई होनी चाहिए। मगर शहर कलेक्ट्रेट तिराहा और कंम्पनी बाग की एक्यूआई लगभग 300 से ऊपर माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गई है। जिसके कारण शहर की हवाएं जहरीली हो गईं है।एक बार फिर अलीगढ़ शहर की हवा जहरीली हो गई है। निमार्ण सामग्री के कण वायु में घुलकर प्रदूषण फैलाते हैं। इस पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शहर के छह बिल्डर्स को नोटिस जारी किया है। चेतावनी दी है कि अगर नियमों का पालन नहीं किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।शादियों में आतिशबाजियों और निर्माण कार्य के कारण सड़कों पर उड़ रहे धूल के कारण शहर की हवा फिर से बिगड़ गई है। 4 दिसंबर को अलीगढ़ शहर की एयर क्वालिटी इंडेक्श (एक्यूआई) रिपोर्ट में दो चौराहे रेड जोन में रहे। नगर निगम की माने तो सामान्यता शहर में 200 एक्यूआई होनी चाहिए। मगर शहर कलेक्ट्रेट तिराहा और कंम्पनी बाग की एक्यूआई लगभग 300 से ऊपर माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गई है। जिसके कारण शहर की हवाएं जहरीली हो गईं है। इस कारण कईयों को सांस लेने और आंखों में जलन की समस्या रही। सुबह 11 बजे एक्यूआई रिपोर्ट आने के बाद से नगर निगम ने दोनों चौराहों पर एंटी स्मोग गन से पानी का छिड़काव व पेड़–पौधों ही धुलाई और धूल उठाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। जिससे शाम तक कुछ कवर हुआ और दोनों चौराहों समेत पांच चौराहे ऑरेंज जोन आ गए। यानी खतरा अभी भी मंडरा रहा है। शहर के तीन चौराहे यलो और दो ग्रीन जोन में हैं।इन्हें जारी किया गया नोटिस अलीगढ़ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी राधेश्याम ने बताया कि निर्माण के दौरान पानी का छिड़काव न करने, हरा जाल न लगाने और निर्माण सामाग्री सड़क पर खुले रखने के कारण आगरा रोड पर कैलाश फार्म हाउस के सामने कमल जलाली, खिरनी गेट के पास क्लार्क इन होटल के सामने मेसर्स राधेकृष्णा ग्रुप (हाउसिंग प्रोजेक्ट), जीटी रोड सारसौल पर मेसर्स हरि पर्ल्स राइट्स, मुर्गा मंडी सारसौल के पास इंद्रपाल सिंह (निर्माणाधीन कामर्शियल कांप्लेक्स), खिरनी गेट आगरा रोड पर महेश चंद्र और भीकमपुर जीटी रोड मेसर्स संस्कार मून अपार्टमेंट (स्मृति सिटी परिसर) को नोटिस जारी किए गए हैं। जहरीली हुई हवा वाले चौराहों पर एंटी स्मोग गन मशीन से वॉटर स्प्रिंकलर कराया गया। साथ डिवाइडर व मुख्य सड़कों से पुरानी धूल को हटाने व पेड़–पौधों की धुलाई कराई गई। जिससे चौराहा रेड जोन से बाहर आ गया। मगर अभी भी खतरा टला नहीं है, इस कारण यह अभियान ऑरेंज जोन वाले चौराहों पर जारी रहेगा।–विनोद कुमार, नगर आयुक्त

नगर पंचायत मडराक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

नगर पंचायत मडराक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें वरिष्ठ नागरिकों (70 साल से अधिक आयु) के आयुष्मान कार्ड बनाए गए,इसके लाभार्थी 51 लोग रहे। नेत्र रोग चिकित्सक द्वारा नेत्रों की जांच की गई, जिसके लाभार्थी 58 रहे व सामान्य रोग रोगी 150 से अधिक रहे।

हाथरस में हुआ धरना-प्रदर्शन, बांग्लादेश हिंदुओं के समर्थन में दिखाई एकजुटता

महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज ने कहा कि हिंदू कभी हिंसक नहीं होता है। वह तो हिंसा करना तो दूर हिंसा के देखने, सूनने मात्र से व्यथित हो जाता है। हिंदू संस्कृति हमेशा दयालुता, शांतप्रिय का संदेश देती है।बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में भारत हिंदू चेतना मंच के बैनर तले सर्व समाज का धरना–प्रदर्शन मेला श्रीदाऊ महाराज के पंडाल में हुआ। इसमें मंच के अलावा कई सामाजिक संगठनों ने प्रतिभाग किया। आम लोगों के साथ स्कूलों के बच्चे भी शामिल हुए।मंच से वक्ता बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, लूट, हत्या, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर जमकर बरसे। धर्माचार्य सेवा संस्थान के अध्यक्ष राम. विलास महाराज ने कहा कि आज बा. ंग्लादेश में हिंदुओं पर हमला इस्लामी देशों और पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है।महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज ने कहा कि हिंदू कभी हिंसक नहीं होता है। वह तो हिंसा करना तो दूर हिंसा के देखने, सूनने मात्र से व्यथित हो जाता है। हिंदू संस्कृति हमेशा दयालुता, शांतप्रिय का संदेश देती है। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक गौरव प्रधान, सह संयोजक सेकेट्री सिंह यादव, राजवंश सिंह, शालिनी अग्रवाल, माधवी सिंह, भीमसेन माहौर, वेदप्रकाश, गोकुल चंद्र कुशवाह, विशन चंद्र,कवि राणा मुनी प्रताप आदि मौजूद रहे।इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक गोविंद, जिला प्रचार प्रमुख रवि, नगर प्रचारक शिवम, एडीएचआर के प्रवीण वार्ष्णेय, निरूस्वार्थ सेवा संस्थान के सुनील अग्रवाल, चंद्रप्रकाश, व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष शरद महेश्वरी, जिलापंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी, ब्लॉक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय, ब्लॉक प्रमुख पूनम पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता आशीष सेंगर आदि मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन के बाद कार्यक्रम संयोजक गौरव प्रधान के साथ राजवंश सिंह, सेकेट्री सिंह यादव, माधवी सिंह, प्रज्ञा वार्ष्णेय ने कलक्ट्रेट में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें कहा कि इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान लें। बांग्लादेश सरकार को एक मजबूत संदेश भेजें।

कमिश्नर एवं मा0 जनप्रतिनिधियों ने किसान बन्धुओं को वितरित किए 148 कृषि उपकरण

अलीगढ़ मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के तहत आयुक्त अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ चौत्रा वी0 एवं मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा धनीपुर मंडी में 148 कृषि उपकरणों का वितरण किया गया। आयुक्त चौत्रा वी0 ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा अपनी उपज की मण्डी में बिक्री पर मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना संचालित की जाती है। इस योजना के तहत कृषक उत्पादकों की सहभागिता बढ़ाए जाने के लिए नवीन मंडी स्थलों में कृषि उपज का विक्रय करने के उपरांत कृषकों को इनामी कूपन प्रदान किया जाता है। किसानों को दिए गए इनामी कूपन पर मासिक, त्रैमासिक एवं छः माही ड्रॉ द्वारा उपहार स्वरूप 11 प्रकार के कृषि यंत्र प्रदान किए जाते हैं।मा0 विधायक कोल श्री अनिल पाराशर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसान हित में विभिन्न प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। मा0 विधायक छर्रा रवेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि किसान सम्मान निधि एवं पेंशन योजनाओं से किसानों के परिवारों की आर्थिक मदद की जा रही है। मा0 विधायक खैर श्री सुरेंद्र दिलेर ने भी विजेता कृषकों को शुभकामनाएं देते हुए उपहार प्रदान करते हुए उन्होंने किसानों से अपील की कि वह मण्डी में अधिक से अधिक अपनी उपज को लाएं और टोकर प्राप्त करें जिससे उनको मिलने वाले उपहार की संभावना बढ़ सके। उपनिदेशक मंडी संजय कुमार एवं उपनिदेशक मंडी निर्माण श्याम सिंह द्वारा अतिथियों का बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के तहत 148 किसानों को मिले कृषि यंत्र मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के तहत 40 सोलर पावर पैक संयंत्र, 24 मिक्सर ग्राइंडर, 24 पावर स्प्रेयर, 24 हैप्पी सीडर, 8 पंपिंग सेट (8 हॉर्स पावर), 8 रोटावेटर, 6 पावर डिबेन हार्वेस्टर, 6 मल्चर, 4 पावर टिलर, 4 राउंड स्ट्रॉवेलर समेत कुल 148 कृषि यंत्रों का चयनित विजेता किसानों को वितरण किया गया। इस अवसर पर एडी इन्फॉर्मेशन संदीप कुमार, संभागीय लेखाधिकारी कामिनी भारद्वाज, मण्डी सचिव रामकुमार यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में किसान बन्धु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नीत सारस्वत द्वारा किया गया।

पुराना बस अड्डा, मसूदाबाद, सूत मिल बस अड्डा एवं रेलवे स्टेशन पहुॅच स्थानीय लोगों, यात्रियों, समाचार पत्र वितरकों, टी स्टॉल वालों का लिया हाल-चाल

अलीगढ़ आयुक्त अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ चौत्रा वी0 द्वारा गुरुवार की प्रातः नगर भ्रमण कर स्थानीय लोगों, यात्रियों, समाचार पत्र वितरकों, टी स्टॉल वालों का हाल चाल लिया गया। मण्डलायुक्त को इस प्रकार अपने बीच पाकर जनमानस को कहते सुना गया कि यह एक सराहनीय पहल है। इस प्रकार के भ्रमण एवं निरीक्षण न केवल प्रशासन की सक्रियता को दर्शाते हैं, बल्कि जनता में सुरक्षा का भाव भी पैदा करते हैं। कमिश्नर ने इस दौरान जनता से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा और उनके समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही नगर में साफ–सफाई, यातायात व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं का भी जायजा लिया। कमिश्नर चौत्रा वी0 द्वारा की गई इस तरह की पहल से न केवल जनता में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ता है, बल्कि सरकारी व्यवस्था में सुधार लाने का मार्ग भी प्रशस्त होता है। कमिश्नर द्वारा सुबह सवेरे किए गए नगर भ्रमण ने अन्य अधिकारियों को भी सबक दिया, कि वह भी लोगों के मध्य जाकर न सिर्फ उनसे संवाद स्थापित करें, बल्कि समस्याओं को जान, उनका यथासंभव निदान भी करे मंडलायुक्त चौत्रा वी0 ने सुबह 5 बजे पुराना बस अड्डा, जिसे आगरा बस अड्डा भी कहा जाता है, पर पहुंचकर समाचार पत्र वितरक दिलीप कुमार से बातचीत करते हुए पूछा की आप यह काम कब से कर रहे हैं, कितनी आमदनी हो जाती है। परिवार का कुशल क्षेम भी लिया। नजदीक ही समाचार पत्र बिक्री कर रहे पुत्र गौरव से सवाल किया किया कि क्या वह उनको पहचानते हैं, जिस पर गौरव ने हाँ में सिर हिलाते हुए कहा कि आप मंडलायुक्त चौत्रा वी0 हैं। फिर कमिश्नर ने हिंदी अंग्रेजी के समाचार पत्र भी खरीदे। कमिश्नर ने भ्रमण के दौरान एक दिव्यांग राहगीर जोकि व्हील चेयर से गंतव्य को जा रहे थे, से बातचीत की। दिव्यांग व्यक्ति उत्तम कुमार ने बताया कि वह पॉटरी फिनिशिंग का कार्य करते हैं और रोजमर्रा की भाँति खुर्जा जाने के लिए बस अड्डे पर आए हैं इसके उपरांत आयुक्त चौत्रा वी. मस. ूदाबद बस अड्डे पर पहुंची। भिंड से गजरौला हसनपुर के लिए जाने वाले दम्पति से बस स्टैंड आने का हाल जाना तो उन्होंने बताया कि उनका नाम अक्षय सिंह है। वह भिंड से त्रिवेणी शुगर मिल गजरौला, हसनपुर जा रहे हैं, उनकी बस 6:00 बजे है। इतने में इंक्वारी ऑफिस संचालक राजू सिंह ने आयुक्त का अभिवादन किया और बताया कि अभी आधे घण्टे में 6:00 बजे गजरौला को बस मिलेगी। मसूदबाद बस अड्डे पर झाड़ू लगा रहे सफाईकर्मी से उसके कार्य एवं मिलने वाले पा. रिश्रमिक बारे में भी जानकारी प्राप्त की, उसने बताया कि केनरा बैंक में उसका खाता है और वेतन समय से आता है, वह 8–9 साल से कार्य कर रहे हैं। पत्नी भी यही कार्य करती है। प्रातः 5. 50 पर सारसौल बस अड्डा पहुंचे। चायवाले को चाय बनाने की बोलते हुए घरेलू समस्याओं पर बात की और पूछा कि रेहड़ी से परिवार चल जाता है। इस दौरान आयुक्त चौत्रा वी. की दयालुता भी देखने को मिली, उन्होंने कई बिस्किट के पैकेट खरीद कर घूम रहे डॉग्स को खिलाए। रेलवे स्टेशन पर पहुँचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। प्रवेश द्वार पर स्थापित लगेज स्कैनर एवं डीएफएमडी क्रियाशील मिला। एक डीएफएमडी खराब मिला।

भारत के लिए बड़े अवसर

पिछले कुछ वर्षों से सरकार और उद्योग जगत की नीतियों में स्पष्ट झलक रहा है कि हम एक दिन जरूर विकसित भारत के लक्ष्य को अपने दम पर हासिल करने में कामयाब होंगे। भारत की निर्यात उपलब्धियां इसकी उभरती हुई विनिर्माण क्षमताओं, रणनीतिक नीतियों और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। भारत वैश्विक निर्यात बाजार में एक प्रमुख देश के रूप में उभरा है जिसने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। ऐसे में नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के नव. निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन समेत तीन व्यापारिक साझेदारों पर उच्च सीमा शुल्क लगाने की घोषणा से भारत के लिए बड़े निर्यात अवसर पैदा होंगे।घरेलू उद्योग को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। ट्रंप ने पिछले सप्ताह मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क और चीन से आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही थी। इस कदम की वजह से अमेरिकी व्यापार में बड़ी रुकावटें आने वाली हैं और इससे भारत के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे। अहम है कि ट्रंप ने अक्टूबर 2020 में भी भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया था। टैरिफ राष्ट्रों के मध्य होने वाले व्यापारिक आयात या निर्यात पर लगने वाला सीमा शुल्क है। यह व्यापार के क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा से घरेलू उद्योग को सुरक्षित रखने हेतु विदेशी उत्पादों पर लगाया जाने वाला कर है। भारत की औसत टैरिफ दर 13.8 प्रतिशत है, जो विश्व की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में सबसे अधिक है। इसके बावजूद अत्यधिक टैरिफ एवं गैर–टैरिफ बाधाओं के कारण अमेरिका के निर्यात का केवल 13 वां हिस्सा भारत आता है, जबकि भारत के निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका जाता है। महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने निर्यात बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और व्यापार करने में आ. सानी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलों और नीतियों को लागू किया है। निर्यात केंद्रों के रूप में जिलों की पहल प्रत्येक जिले में निर्यात–संभावित उत्पादों की पहचान करती है। विदेशों में भारतीय मिशन भारत के व्यापार, पर्यटन, प्रौद्यो. गिकी और निवेश लक्ष्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।पिछले वित्त वर्ष में भारत का अमेरिका को निर्यात 77.51 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 42.2 अरब डॉलर रहा। कुल मिलाकर वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में भारत की यात्रा इसके निर्यात परिदृश्य में उल्लेखनीय उपलब्धियों से चिह्नित है। विभिन्न पहल भारत के व्यापार को बढ़ाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं, जिससे 2047 तक भारत एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो जाएगा।

किसान आंदोलन कान उमेठ क्या इससे फायदा होगा?

अपनों की लताड़देश में किसानों की समस्याओं और उसके लिए बार–बार किए जानेवाले आंदोलन को लेकर अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही मोदी सरकार को आईना दिखाया है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने दिल्ली–नोएडा सीमा पर किसानों द्वारा शुरू किए गए आंदोलन को लेकर मोदी सरकार को खूब खरी–खोटी सुनाई। किसानों को दोबारा सड़कों पर आना पड़ा है इस बाबत उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों से संवाद क्यों नहीं साधा? उनसे चर्चा क्यों नहीं? क्या किसानों और सरकार के बीच बाड़ बनाने की कोशिश हो रही है? उन्होंने बहुत सारे सवालों की झड़ी लगा दी।मोदी की बकैतीदस साल पहले मोदी सरकार ने किसानों को लेकर कई वादे किए थे, लेकिन वे सभी बकैती साबित हुए। इसके उलट इस सरकार की नीतियों के कारण देश के आम किसान का अब एक ही काम रह गया है आ. समानी–सुल्तानी आपदाओं का सामना करना, जैसे–तैसे खेतों में फसल उगाना, खराब मौसम से होने वाले नुकसान को सहना और बची–खुची शक्ति फसलों के उचित मूल्य पाने के लिए शासकों के खिलाफ लड़ने में खर्च करना। दस साल पहले मोदी सत्ता में आए थे, कृषि को एमएसपी 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' देने के लिए बहुत सारे वादे किए थे। उस समय मोदी हर भाषण में कहते थे कि वह किसानों की आय दोगुनी करेंगे और कृ षि उपज को 'गारंटी मूल्य' देंगे, लेकिन सत्ता में आने के बाद वह आज तक इस बारे में 'मुंह में दही जमाए बैठे' हैं। इसके उलट, मोदी सरकार ने हर तरह से 'कृषि सुधार कानूनों' का दोष पीड़ित पर मढ़ने की कोशिश की, लेकिन दिल्ली सीमा पर किसानों के लंबे विरोध प्रदर्शन और उनकी एकजुटता के चलते मोदी सरकार को अंततरू इन काले कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।दमनकारी सरकारबेशक, एमएसपी से लेकर कई अन्य अधिकारों की मांगों को लेकर किसानों के जो सवाल दस साल पहले थे, वही सवाल आज भी हैं। इसीलिए हजारों किसान फिर से सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। लेकिन मोदी सरकार ने हमेशा की तरह दमन शुरू कर दिया है। किसान नेता राजेश टिवैहृत समेत करीब ७०० आंदोलनकारी किसानों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसीलिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केंद्र के सत्ताधारियों को आड़े हाथों लिया है। किसानों के सड़कों पर उतरने से पहले सरकार ने उनसे बातचीत क्यों नहीं की? यही सवाल उपराष्ट्रपति ने सरकार से पूछा है। वह सही हैं, लेकिन शुरू से ही मोदी सरकार और संवाद का छत्तीस का आंकड़ा है। तीन साल पहले भी किसानों ने इन्हीं मांगों को लेकर दिल्ली बॉर्डर पर जोरदार प्रदर्शन किया था। ठंड ने कई किसानों की जान ले ली। फिर भी मोदी सरकार का दिल नहीं पसीजा, बल्कि सरकार द्वारा इस आंदोलन की 'खालिस्तानवादी' साबित करने के कुत्सित प्रयास किए गए। यह सच है कि सरकार ने तीन साल पहले किसान आंदोलन के दबाव में कृषि सुधार कानूनों को वापस ले लिया था, लेकिन सरकार ने किसानों से संवाद करने का शिष्टाचार न तब दिखाया, न बाद में और न अब। इसीलिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब केंद्र सरकार के कान उमेठे हैं और हुक्मरानों को किसानों की जायज मांगों को मानने के लिए उनसे संवाद करने की याद दिलाई है।किसानों से महत्वपूर्ण फिल्मबेशक, क्या यह उपयोगी होगा? क्या हुक्मरानों को अपने दिखाए आईने में अपना चेहरा देखने की हिम्मत होगी? ये सवाल हैं ही। क्योंकि जब किसान अपने अधिकारों की मांग के लिए फिर से दिल्ली की सड़कों पर उतरे, तो प्रधानमंत्री मोदी और उनका मंत्रिमंडल संसद के बालयोगी हॉल में फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की विशेष स्क्रीनिंग का आनंद लेने में मशगूल थे! मोदी सरकार किसान विरोधी है इसका आपको और क्या सबूत चाहिए?

पटरी पर आई महाराष्ट्र की राजनीति, शिवसेना के भाजपा के साथ बने रहने की गारंटी

अवधेश कुमार। देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने का रास्ता साफ होते ही महाराष्ट्र की राजनीति स्थिर आयाम तक पहुंच गई। विधानसभा चुनाव परिणाम का स्वाभाविक राजनीतिक फलितार्थ यही हो सकता था कि फडणवीस मुख्यमंत्री बनें। 2014 से उनके नेतृत्व में महाराष्ट्र की राजनीति के जिस दौर की शुरुआत हुई, उस पर 2019 में ग्रहण लगने का कोई स्वाभाविक कारण नहीं था।भा. जपा और शिवसेना दोनों को मिलाकर जनता ने 161 सीटों का बहुमत दिया था, लेकिन उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी। यहां से महाराष्ट्र की राजनीति अस्वाभाविक, अनैतिक और अस्थिरता के ऐसे दौर में उलझी कि राजनीतिक विचारधारा का सबसे बड़ा संभ्रम कायम हुआ।हिंदुत्व की राजनीति करने वाली शिवसेना ने सत्ता के नेतृत्व के लिए जिस तरह रंग बदला, उसे जनता की स्थायी स्वीकृति मिलना 2014 से भारत में आरंभ हुई राजनीति के दौर के बीच असाधारण घटना होती। आखिरकार हाल के विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र की राजनीति स्वाभाविक विचारधारा की पटरी पर आ गई।एक तरह से जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के अंदर हुए विद्रोह ने ही संदेश दे दिया था कि अस्वाभाविक वैचारिकता को बड़ा वर्ग स्वीकार करने को तैयार नहीं। जब अजीत पवार के नेतृत्व में राकांपा भी भाजपा के साथ आ गई तो साफ हो गया कि महाराष्ट्र के सत्ता समीकरण में कांग्रेस को छोड़कर किसी दल के अंदर सहजता नहीं थी।हालांकि लोकसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी के प्रभावी प्रदर्शन ने फिर से स्वाभाविक राजनीति पर ग्रहण लगाया, लेकिन माना यही गया कि यह भी एक अस्थायी परिघटना है। लोकसभा चुनाव में कई कारकों ने महाराष्ट्र के साथ उत्तर प्रदेश और इससे कम परिमाण में कुछ दूसरे राज्यों में अपनी भूमिका निभाई, जिससे भाजपा के नेतृत्व में राजग की सीटें कम हुईं। लगता है कि स्वयं मतदाताओं ने भी समझा कि उनसे गलती हो गई है। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में मतदाताओं ने अनुकूल परिस्थितियों एवं समीकरणों की सहजता को देखते हुए जनादेश दिया।चुनाव परिणाम के बाद सरकार गठन में लगभग दो सप्ताह का समय इसी कारण लगा, क्योंकि फडणवीस को नेता के रूप में स्वीकार करने के लिए शिंदे को तैयार करना था या कहें कि उन्हें तैयार होना था। चुनाव परिणाम से इतना तो साफ था कि शिंदे के विद्रोह को शिवसैनिकों ने स्वीकार किया।उन्होंने इतने प्रभावी परिवार से पार्टी को अलग कर उसे विचारधारा की स्वाभाविक पटरी पर लाने की अकल्पनीय भूमिका निभाई। जून 2022 में भाजपा नेतृत्व के सामने सरकार की स्थिरता और सुदृ ढ़ता के लिए आवश्यक था कि शिंदे को नेतृत्व दिया जाए। भाजपा नेतृत्व ने उन्हें स्थायी रूप से मुख्यमंत्री बनाने का कोई वचन दिया होता तो वह अवश्य इसकी चर्चा करते। यह ध्यान रहे कि पूरे चुनाव अभियान के दौरान कोई भी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया गया।निश्चित रूप से शिंदे के समर्थकों का एक वर्ग फिर से उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहता होगा, लेकिन ऐसा होना महाराष्ट्र की रा. जनीति के फिर से अस्थिर होने का कारण बन जाता। शिंदे को भी जनप्रतिक्रिया का आभास हो गया होगा कि उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह से निर्मित सशक्त नेता की उनकी छवि सरकार गठन में बाधा बनने से कमजोर होगी।ध्यान रहे कि दूसरे साझेदार अजीत पवार के साथ भाजपा को बहुमत मिल गया था और इस कारण शिंदे की अपरिहार्यता नहीं रह गई थी। यह सतह पर दिखने वाला एक पहलू है। भाजपा नेतृत्व को पता है कि महाराष्ट्र की राजनीति में उनके लिए शिंदे की शिवसेना के साथ विचारधारा के आधार पर दीर्घकालिक काम करना आवश्यक है।

दूसरी ओर, अजीत पवार ने परिपक्वता दिखाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने दूरगामी सोच के साथ अपनी पार्टी और दोनों साझेदारों को किसी स्तर पर असंतुष्ट और नाराज होने का अवसर नहीं दिया। संघ की भी प्रभावी सक्रियता रही। यही कारण था कि सीटों के बं. टवारे और उम्मीदवारों के चयन में हल्के–फुल्के मतभेद होते हुए भी तीनों दल और प्रमुख नेता एकजुट होकर चुनाव लड़ते रहे।यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि एकनाथ शिंदे जब उद्धव ठाकरे से विद्रोह कर बाहर आए थे तो उन्हें भी भान नहीं था कि भाजपा उनके हाथों सरकार का नेतृत्व सौंप देगी, क्योंकि भाजपा के पास विधानसभा में 105 सीटें थीं। यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत हो रही है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल. कुल स्पष्ट किया चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम ने. ताओं और उनको समर्थन देने वाले महा. विकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद हैं। जब अजीत पवार ने बंटेंगे तो कटेंगे नारे के विरुद्ध बयान दिया था, तो फडणवीस ने स्पष्ट कहा था कि योगी जी ने कुछ भी गलत नहीं बोला। अजीत पवार बहुत बाद में गठबंधन से जुड़े और धीरे–धीरे उन्हें भी समझ में आ जाएगा। यह सरकार गठन के पूर्व भावी नीतियों को लेकर घोषणा थी यानी गठबंधन का कोई दबाव संघ तथा भा. जपा के हिंदुत्व के एजेंडे में बाधा नहीं बनेगा। यही विचारधारा शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के भाजपा के साथ बने रहने की गारंटी होगी।

तीन नए आपराधिक कानूनों से त्वरित न्याय की आस, पीएम मोदी ने जताई उम्मीद

न्याय में देरी केवल लोगों को हताश–निराश ही नहीं करती बल्कि किसी न किसी स्तर पर देश के विकास की गति को भी बाधित करती है। इसके अतिरिक्त देश की छवि को भी खराब करने का काम करती है। जब समय पर न्याय नहीं मिलता तो कानून एवं व्यवस्था का आदर न करने और उसके उल्लंघन के आदी लोगों का दुस्साहस बढ़ता है।तीन नए आपराधिक कानूनों का पूर्ण अनुपालन करने वाले चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इन कानूनों के माध्यम से त्वरित न्याय हासिल होने की जो उम्मीद जताई, वह पूरी होनी ही चाहिए। इससे ही इन तीनों कानूनों–भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की सार्थकता सिद्ध होगी।पूरे देश में इन तीनों कानूनों पर इसी जुलाई से अमल शुरू हो चुका है। चंडीगढ़ उनका अनुपालन करने में सबसे आगे रहा। अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चंडीगढ़ से न केवल प्रेरणा लेनी चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इन कानूनों के जरिये लोगों को समय पर न्याय मिले। अभी तो तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम है और इसके चलते निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यदि तीनों आपराधिक कानूनों को अमल में लाकर त्वरित न्याय के सपने को साकार किया जा सके तो यह विश्व का सबसे बड़ा सुधार तो होगा ही, स्वतंत्र भारत की एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पुराने आपराधिक कानून अंग्रेजों ने बनाए थे और उनका निर्माण भारत को गुलाम बनाए रखने के इरादे से किया गया था। यह ठीक है कि समय के साथ उनमें कुछ संशोधन–परिवर्तन किए गए, लेकिन वे औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्त नहीं हो सके। विडंबना यह रही कि पिछली सरकारों ने न तो अंग्रेजों के बनाए कानूनों से मुक्ति पाने की कोई पहल की और न ही न्याय में देरी को दूर करने के उपाय किए।न्याय में देरी केवल लोगों को हताश–निराश ही नहीं करती, बल्कि किसी न किसी स्तर पर देश के विकास की गति को भी बाधित करती है। इसके अतिरिक्त देश की छवि को भी खराब करने का काम करती है। जब समय पर न्याय नहीं मिलता तो कानून एवं व्यवस्था का आदर न करने और उसके उल्लंघन के आदी लोगों का दुस्साहस बढ़ता है। तीनों आपराधिक कानूनों पर अमल से एक ओर जहां 60 दिन के अंदर आरोप तय किए जाएंगे, वहीं दूसरी ओर सुनवाई पूरी होने के 45 दिन के अंदर फैसला सुनाना आवश्यक होगा। यह शुभ संकेत है कि तीनों आपराधिक कानूनों पर अमल के बाद से कई मामलों में सचमुच समय पर न्याय हुआ है, जैसे कि चंडीगढ़ में वाहन चोरी में मामला दर्ज होने के 75 दिन के अंदर अदालत ने सजा सुना दी। इसी तरह अशांति फैलाने के एक मामले में 20 दिन में सुनवाई करके सजा सुना दी गई। दिल्ली में भी एक मामले में एफआइआर दर्ज होने के 60 दिन के अंदर फैसला आ गया। ऐसा देश भर में सभी मामलों में होना चाहिए। इसी के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निचली अदालतों के जिन फैसलों को ऊंची अदालतों में चुनौती दी जाए, वहां भी उनका निस्तारण आनन–फानन हो।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला ब्यूरो चीफमंडल ब्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पादक
मौः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा